दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

Social Justice Union (Govt. Registered)

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार 29 सितंबर 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 04

महत्वपूर्ण एवं खास

एयर इंडिया की फ्लाइट में खाने में मिला कॉकरोच, मां-बेटे की तबीयत बिगड़ी; जांच के आदेश

नई दिल्ली (आरएनएस)। एयर इंडिया के एक यात्री ने दिल्ली से न्यूयॉर्क जाने वाली उड़ान में परोसे गए खाने में कॉकरोच मिलने की शिकायत की है। एयरलाइन ने कहा है कि मामले को आगे की जांच के लिए कैटरिंग कंपनी के समक्ष मामला उठाया गया है। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, हमें एक यात्री द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई एक पोस्ट के बारे में पता चला है, जिसमें 17 सितंबर 2024 को दिल्ली से जेएफके के लिए संचालित एआई 101 में उन्हें दिए गए भोजन में एक कॉकरोच के बारे में बताया गया है। एयरलाइन ने इस घटना पर चिंता भी व्यक्त की। बता दें कि एक्स पर एक पोस्ट में महिला यात्री ने कहा था कि दिल्ली से न्यूयॉर्क जाने वाली उड़ान में परोसे गए ऑमलेट में कॉकरोच पाया गया था। उसने कहा, 'जब हमें यह मिला तो मैंने और मेरे 2 साल के बच्चे ने इसे आधे से अधिक खा लिया था। इसके परिणामस्वरूप दोनों को फूड पॉइजनिंग हो गई।' महिला यात्री ने उड़ान के दौरान परोसे गए खाद्य पदार्थों का एक छोटा वीडियो और तस्वीरें भी साझा कीं। उन्होंने इस पोस्ट में एयर इंडिया, विमानन नियामक डीजीसीए और नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू को टैग किया। बयान में प्रवक्ता ने कहा कि एयरलाइन उक्त मामले में ग्राहक के अनुभव को लेकर चिंतित है और उसने आगे की जांच के लिए खानपान सेवा प्रदाता के साथ इस मुद्दे को उठाया है। प्रवक्ता ने कहा, 'हम भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए आवश्यक कार्रवाई करेंगे।' इसके अलावा, प्रवक्ता ने कहा कि एयर इंडिया प्रतिष्ठित कैटरर्स के साथ काम करता है, जो वैश्विक स्तर पर अग्रणी एयरलाइनों को आपूर्ति करते हैं और मेहमानों को परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कड़े एसओपी और कई जांच करते हैं।

दिल्ली में दर्दनाक घटना सामने आई, जहर खाकर दिव्यांग बेटियों के साथ पिता ने दी जान

नईदिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली में एक दर्दनाक घटना सामने आई है. वसंत कुंज साउथ के रंगपुरी गांव में शुक्रवार को एक शख्स ने जहरीला पदार्थ खाकर अपनी चार दिव्यांग बेटियों के साथ खुदकुशी कर ली. पड़ोसियों से जब पुलिस को जब इस बात की सूचना मिली तो फ्लैट का ताला तोडक़र शवों को बाहर निकाला. चारों बेटियां दिव्यांग थीं. वे चलने फिरने में असमर्थ थीं. इस घटना के बाद क्षेत्र में सन्नाटा छाया हुआ है. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है. दिल्ली के रंगपुरी गांव में एक किराए के मकान में रहने वाले 50 वर्षीय शख्स हीरालाल की संदिग्ध हालात में मौत हो गई. हीरालाल के घर से बदबू आने के बाद से पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी. वह मूल रूप से बिहार के छपरा के निवासी हैं. वे अपनी चार बेटियों के साथ रहा करते थे. पत्नी का निधन पहले ही हो चुका था. हीरालाल वसंत कुंज के एक अस्पताल में कारपेंटर का काम किया करते थे. इस घटना की जानकारी मिलने के बाद उसे जानने वाले लोग हैरान हैं. पुलिस की इस मामले में पूछताछ जारी है. पुलिस अधिकारी के अनुसार, हीरालाल अपनी चार बेटियों- 18 वर्षीय नीतू, 15 वर्षीय निशि, 10 वर्षीय नीरू और 8 वर्षीय निधि के साथ किराए के मकान में रहा करते थे. हीरालाल के घर से शुक्रवार को बदबू आनी शुरू हुई.

चुनावी बॉन्ड के जरिए जबरन वसूली का आरोप

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ कोर्ट ने दिया एफआईआर दर्ज करने का आदेश

बेंगलुरु | आरएनएस

बेंगलुरु की एक अदालत ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ जबरन वसूली के आरोप में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। यह आदेश बेंगलुरु में जनप्रतिनिधियों की विशेष अदालत ने दिया है। यह आदेश चुनावी बॉन्ड के जरिए जबरन वसूली के आरोपों के संबंध में आया है। जनाधिकार संघर्ष संगठन के आदर्श अय्यर ने निर्मला सीतारमण और अन्य के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि चुनावी बॉन्ड के जरिए जबरन वसूली की गई थी।

इसके बाद बेंगलुरु में जनप्रतिनिधियों की विशेष अदालत ने निर्मला सीतारमण के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दे दिया है। यह आदेश 42वीं एसीएमएम कोर्ट ने जारी किया है। तिलक नगर पुलिस अब निर्मला सीतारमण और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज करेगी। बता दें कि केंद्र ने 2018 में चुनावी बॉन्ड योजना शुरू की थी और इसका उद्देश्य राजनीतिक दलों को दिए जाने वाले नकद दान की जगह लेना था, ताकि राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता में सुधार हो सके। चुनावी बॉन्ड के जरिए राजनीतिक दलों को फंड दिया जाता था लेकिन इसका खुलासा नहीं किया जाता था। हालांकि बाद में विपक्ष के आरोपों और दायर याचिका के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने इसे रद्द कर दिया था।

अय्यर द्वारा दर्ज कराई गई गई शिकायत में भाजपा के कई बड़े नेता भी शामिल हैं, जिनमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, कर्नाटक के पूर्व अध्यक्ष नलिन कुमार कटिल और बीवाई विजयेंद्र का भी नाम शामिल हैं।अदालत ने बेंगलुरु के तिलक नगर पुलिस थाना प्रभारी को चुनावी बांड के जरिए जबरन वसूली के मामले में एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।अदालत ने अब इस मामले की सुनवाई 10 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी है।

आदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सीतारमण के इस्तीफे की मांग की है।सिद्धारमैया ने कहा, निर्मला सीतारमण के खिलाफ भी जनप्रतिनिधि अदालत में एफआईआर दर्ज है। चुनावी बॉन्ड से उनका (वित्त मंत्री का) क्या संबंध है? उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। क्या उन्हें भी अपना इस्तीफा नहीं दे देना चाहिए?बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी में चुनावी बांड योजना को असंवैधानिक बताते हुए इसे रद्द कर दिया था।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मामले में रूचि दिखाते हुए कार्रवाई कराने की योजना बनाई है। उन्होंने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए का हवाला देते हुए 3 महीने के भीतर मामले पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है।यह धारा लोक सेवकों को जांच से अतिरिक्त संरक्षण प्रदान करती है।उन्होंने कहा, अब, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के अनुसार ही मामले की जांच पूरी होनी चाहिए और 3 महीने के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी चाहिए।

केंद्र सरकार ने 2018 में चुनावी बॉन्ड योजना शुरू की। इसके पीछे सरकार का उद्देश्य राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे में नकद दान को खत्म करना था, ताकि राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता बनी रहे।इसके बाद भारतीय स्टेट बैंक के चुनावी बॉन्ड के जरिए लोग राजनीतिक दलों को चंदा दे सकते हैं, लेकिन इसका खुलासा नहीं किया जाता था।पिछले साल विपक्षी दलों ने इस योजना को बंद करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

कनाडा और मलेशिया समेत इन देशों ने खरीदने में दिखाई दिलचस्पी

नई दिल्ली | आरएनएस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मेक इन इंडिया नीति का पूरी दुनिया में डंका बजने लगा है। तेजस फाइटर के बाद अब वंदे भारत ट्रेन पर दुनियाभर के देशों की नजर है। देश में वंदे भारत एक्सप्रेस तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं और कई रूट्स पर इसे चलाने की मांग बढ़ रही है। चिली, कनाडा और मलेशिया जैसे देशों ने वंदे भारत को खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। सूत्रों के मुताबिक, वंदे भारत को खरीदने में दिखाई गई दिलचस्पी के कई कारण हो सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक, इसमें सबसे बड़ा कारण वंदे भारत ट्रेन की लागत है, जहां अन्य देशों में निर्मित समान सुविधाओं वाली ट्रेनों की लागत 160-180 करोड़ रुपये के बीच होती है, वहीं भारत वंदे भारत का निर्माण बहुत कम कीमत पर हुआ है। भारत की वंदे भारत ट्रेन की कीमत 120 से 130 करोड़ रुपये है।

इसके अलावा, वंदे भारत गति पकडऩे के मामले में भी दूसरे देशों को मात दे रही है। सूत्रों की माने तो वंदे भारत को 0 से 100 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने में सिर्फ 52 सेकंड लगते हैं, जो जापान की बुलेट ट्रेन से भी अधिक है। बता दें, जापान की बुलेट ट्रेन को 0-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकडऩे में 54 सेकंड का समय लगता है।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़, दो दहशतगर्द फंसे; सेना के 3 जवान और 1 पुलिस अधिकारी घायल

कुलगाम | आरएनएस

जम्मू-कश्मीर में चुनावी माहौल के बीच शनिवार को कुलगाम के आदिगाम देवसर में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ जारी है। दो आतंकियों के छिपे होने की आशंका जताई जा रही है। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के तीसरे और अंतिम चरण के लिए 1 अक्टूबर को वोटिंग होगी। कश्मीर जोन पुलिस ने एक्स पोस्ट में इसकी जानकारी दी। बताया, कुलगाम के आदिगाम देवसर इलाके में मुठभेड़ शुरू हो गई है। पुलिस और सुरक्षा बल काम पर लगे हुए हैं। आगे की जानकारी बाद में दी जाएगी। जानकारी के अनुसार, आतंकवादियों की मौजूदगी को लेकर सुरक्षाबलों को खुफिया जानकारी मिली थी। सूचना मिलने के बाद इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया गया। सुरक्षा बल जैसे ही संदिग्ध स्थान पर पहुंचे, आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिससे बाद मुठभेड़ शुरू हो गई।

आपको बताते चलें, हाल के दिनों में जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच कई मुठभेड़ हुई हैं, इनमें कई आतंकवादी मारे गए हैं। 15 सितंबर को कठुआ जिले के बानी इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई थी।

पहले आतंकी गतिविधियां पुंछ और राजौरी जिलों तक ही सीमित थी। लेकिन, अब ये जम्मू के अन्य क्षेत्रों में फैल रही हैं। चिनाब घाटी, उधमपुर और कठुआ में भी आतंकी सक्रिय हैं। आतंकवादी वाहनों पर घात लगाकर हमला कर रहे हैं और ग्रेनेड, कवच-भेदी गोलियों के साथ-साथ एम4 असॉल्ट राइफलों का भी इस्तेमाल कर रहे हैं।

कश्मीर में लगातार चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियानों ने आतंकवादियों को पहाड़ों की ओर धकेल दिया है, जहां वह छिप जाते हैं और सुरक्षा बलों पर हमले करने के लिए सही समय का इंतजार करते हैं।

मुंबई में हो सकता है आतंकी हमला, फेस्टिवल सीजन से पहले खुफिया एजेंसियों ने किया अलर्ट

मुंबई | आरएनएस

बॉलीवुड नगरी मुंबई में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सुरक्षा एजेंसियों ने फेस्टिवल के मौके पर आतंकी हमले की आशंका जताई है। इस संभावित खतरे के मद्देनजर, शहर की सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद किया जा रहा है। महत्वपूर्ण स्थानों पर सुरक्षा जांच बड़े पैमाने पर की जा रही है। खुफिया एजेंसियों के इनपुट पर शहर में भीड़भाड़ वाले स्थानों और धार्मिक स्थलों को मॉक-ड्रिल किया जा रहा है।

हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशनों, मॉल्स और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। सुरक्षा बलों ने इन जगहों की जांच-पड़ताल तेज कर दी है। सुरक्षा सिस्टम को अधिक सक्षम बनाने के लिए एडवांस टेक्नोलॉजी का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। सभी डीसीपी को अपने-अपने क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है।

क्राइम ब्रांच, (एंटी टेररिस्ट सेल) और स्थानीय पुलिस एक साथ मिलकर इस चुनौती का सामना कर रहे हैं। उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों में कड़े सुरक्षा उपाय किए हैं और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। इसके साथ ही, विभिन्न सुरक्षा एजेंसियां भी शहर की सुरक्षा में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। सुरक्षा अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। त्योहारों के समय सार्वजनिक जुटाव अधिक होता है, ऐसे में लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

बेंगलुरु के ताज वेस्ट एंड होटल को बम से उड़ाने की धमकी निकली फर्जी

बेंगलुरु (आरएनएस)। कनोटक की राजधानी बेंगलुरु के प्रतिष्ठित ताज वेस्ट एंड होटल को बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह धमकी ईमेल के जरिए दी गई, पुलिस ने जांच में इसे फर्जी करार दिया।
जानकारी के अनुसार, शनिवार को अज्ञात अपराधियों ने एक ईमेल के माध्यम से होटल में बम होने की धमकी दी। यह होटल प्रमुख राजनेताओं और क्रिकेटरों की मेहमान नवाजी के लिए जाना जाता है। धमकी मिलने के बाद, स्थानीय पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने होटल पहुंचकर जांच शुरू कर दी।
प्रारंभिक जांच के दौरान, पुलिस ने होटल की पूरी परिसर की जांच की और पाया कि यह धमकी फर्जी थी। डीसीपी सेंट्रल ने अपने बयान में कहा कि हमें आज सुबह ताज वेस्ट एंड होटल के लिए एक धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ। हमारी बीडीडीएस और एएससी टीम ने परिसर की जांच की और इसे फर्जी पाया। डीसीपी ने आगे कहा कि इस मामले में हम शिकायत दर्ज करेंगे और गहन जांच करेंगे।
धमकी भरे ईमेल के बाद होटल की सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। पुलिस इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। होटल में ठहरे मेहमानों ने इस घटना को लेकर चिंता व्यक्त की। हालांकि, पुलिस ने सभी को यह आश्वस्त किया है कि स्थिति नियंत्रण में है।
पिछले कुछ महीनों से बम धमकी से जुड़े ईमेल्स का चलन तेजी से बढ़ा है, जिससे कई महत्वपूर्ण संस्थानों और स्थानों में हडक़ंप मच गया है। इन धमकियों का निशाना अक्सर स्कूल, अस्पताल, सरकारी दफ्तर और हवाई अड्डे बनते हैं। हालांकि, इनमें से तमाम धमकियां फर्जी साबित हुई हैं।

पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से 3 की मौत, 7 बुरी तरह झुलसे

सोनीपत | आरएनएस

हरियाणा के सोनीपत में एक पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से 3 लोगों की मौत हो गई है और 7 लोग झुलस गए हैं। मरने वालों में एक महिला और एक बच्चा शामिल है। तीसरे मृतक का शव अभी तक नहीं मिला है।घायलों में 7 महिलाएं हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।हादसे की वजह अभी साफ नहीं है, लेकिन बताया जा रहा है कि सिलेंडर में गैस लीकेज की वजह से फैक्ट्री में आग लग गई।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, हादसा सोनीपत के रिढाऊ गांव में एक पटाखा फैक्ट्री में हुआ है। हादसे के बाद फैक्ट्री की पूरी इमारत गिर गई।धमाका इतना तेज था कि आसपास के कई घरों में दरार आ गई है।बताया जा रहा है कि गांव का रहने वाला वेद नाम का शख्स अपने घर में ही अवैध रूप से फैक्ट्री चला रहा था। फिलहाल वो फरार है।सूचना मिलते ही दमकल विभाग और बचाव टीम मौके पर पहुंची है।

घटना के बाद पुलिस ने मकान मालिक को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन फैक्ट्री का संचालक फरार है। स्थानीय लोगों का कहना है कि फैक्ट्री अवैध तरीके से चल रही थी। ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें पता ही नहीं था कि फैक्ट्री में पटाखे बनाए जा रहे हैं।ये मकान गांव के बीचोंबीच है, जिससे आसपास के घरों को भी नुकसान पहुंचा है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

उड़ीसा सरकार ने भद्रक जिले में 48 घंटे के लिए निलंबित की इंटरनेट सेवाएं

भद्रक | आरएनएस

भद्रक जिले में सोशल मीडिया पोस्ट के कारण हुई हिंसक घटनाओं को देखते हुए ओडिशा सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने 48 घंटे के लिए इंटरनेट सेवाओं को निलंबित कर दिया है।

सरकार की ओर से यह फैसला जिले में शांति और कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए लिया गया है। इंटरनेट सेवाओं के निलंबन का उद्देश्य स्थिति को और अधिक बिगडऩे से रोकना और शांति बनाए रखना है।

ओडिशा के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) सत्यव्रत साहू की ओर से शनिवार को जारी आदेश में कहा गया है कि भडक़ाऊ संदेशों के प्रसार को रोकने के लिए पूरे जिले में 48 घंटे के लिए इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। इस दौरान व्हाट्सएप, फेसबुक और एक्स सेवाएं बाधित रहेंगी।

अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार एक खास धर्म का अपमान करने वाली फेसबुक पोस्ट के कारण शुक्रवार को पुरुना बाजार पुलिस स्टेशन क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन हुआ। उन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शन अंतत: हिंसक हो गया, जिसके बाद पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा।

बता दें कि भद्रक में शुक्रवार को आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट के कारण हिंसा भडक़ गई थी। इस हिंसा में कुछ पुलिसकर्मियों के घायल होने की भी खबर है।

प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की। उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी, हिंसा को कोई भी घटना स्वीकार नहीं की जाएगी। स्थानीय नेताओं ने भी स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए लोगों से धैर्य बनाए रखने की अपील की है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हिंसक भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई है, इसलिए इलाके में फ्लैग मार्च भी किया गया है। स्थिति पर हमारी कड़ी नजर रखी है, हिंसा के लिए जिम्मेदार सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भगत सिंह की जयंती पर पीएम मोदी, अमित शाह और जेपी नड्डा ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली | आरएनएस

शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया। लिखा, मातृभूमि के स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना जीवन बलिदान करने वाले अमर शहीद भगत सिंह को उनकी जन्म-जयंती पर शत-शत नमन। भगत सिंह और उनके क्रांतिकारी साथियों ने साहस का परिचय देते हुए साहसिक कार्य किए, जिनका देश की आजादी में बहुत बड़ा योगदान है।

वह जब तक जिए एक मिशन के तहत जिए। और उसी के लिए उन्होंने अपना बलिदान दे दिया। वह मिशन था भारत को अंग्रेजी हुकूमत से आजादी दिलाना। हम भले ही भगत सिंह न बन पाएं लेकिन, भगत सिंह जैसा देश प्रेम हमारे दिलों में होना चाहिए।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पोस्ट किया। पोस्ट में उन्होंने लिखा, मां भारती के वीर सपूत, महान स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद भगत सिंह के त्याग, संघर्ष और राष्ट्रभक्ति ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की ज्वाला को प्रचंड कर दिया था।

उनके दृढ़ संकल्प और शौर्य ने विदेशी हुकूमत की जड़ें हिला दी। आज उनकी जयंती पर शत-शत नमन करता हूं। परतंत्रता की बेडिय़ों से मुक्त कराने के लिए तत्कालीन भारतीय समाज में आत्मविश्वास व समर्पण के जो मानदंड उन्होंने स्थापित किए इससे समस्त देशवासी युगों तक प्रेरणा प्राप्त करते रहेंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पोस्ट में लिखा, क्रांतिवीर भगत सिंह ने न केवल ब्रिटिश हुकूमत को बुलंद आवाज से ललकारा, बल्कि देश की स्वतंत्रता व सुनहरे पल के लिए अपने प्राणों की आहुति भी दी। एक ओर उन्होंने अपने ओजस्वी विचारों से युवाओं को मां भारती की स्वाधीनता के लिए प्रेरित किया, तो दूसरी ओर टुकड़ों में बंटे स्वतंत्रता संग्राम को संगठित किया। उनके बलिदान की चिंगारी ऐसी महाज्वाला बनी, जिससे पूरे देश में आजादी की लहर और प्रचंड हो गई।